बिहार:3 हजार करोड़ से महात्मा गांधी सेतु के समानांतर चार लेन का सबसे अनोखा पुल, निर्माण अक्टूबर से

पटना9 घंटे पहले

- सुपरस्ट्रक्चर बदलने के बाद महात्मा गांधी सेतु की पश्चिमी लेन चालू, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुए समारोह में वीडियो कॉंफ्रेंसिंग से गडकरी ने किया लोकार्पण
- बिहार में अगले 2 माह में 10338 करोड़ की लागत से 5 बड़े पुलों का निर्माण शुरू होगा, देश में पहला ऐसा पुल जिसका एक स्पैन 246 मीटर लंबा होगा

सुपरस्ट्रक्चर बदलने के बाद महात्मा गांधी सेतु का पश्चिमी लेन चालू हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुए समारोह में शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इसका लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में पहली बार पुल का सुपर स्ट्रक्चर बदलने का प्रयोग महात्मा गांधी सेतु पर ही हुआ है। यह सिविल इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण है।

महात्मा गांधी के सेतु के समानांतर भी चार लेन पुल का निर्माण अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। अगस्त में टेंडर हो जाएगा। 3000 करोड़ की लागत से बनने वाला यह देश में पहला ऐसा पुल होगा जिसका एक स्पैन 246 मीटर लंबा रहेगा। 2 माह में 10338 करोड़ की लागत से बिहार में 5 बड़े पुलों का निर्माण शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी सेतु के अपस्ट्रीम लेन के सुपर स्ट्रक्चर को बदले जाने से लोगों को काफी सुविधा होगी। सड़क और पुलों के साथ एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम) क्षेत्र में केंद्रीय सहायता बढ़ने पर बिहार और तेजी के साथ आगे बढ़ेगा।

केंद्र एमएसएमई फंड बढ़ाए, हमारी कोशिश है कि सभी को यहीं रोजगार मिले: सीएम

मुख्यमंत्री नेे कहा कि राज्य सरकार का एमएसएमई क्षेत्र पर पूरा ध्यान है। बिहार में पहले से निर्धारित 25 हजार करोड़ के फंड को और बढ़ाने की जरूरत है। हम तो चाहते हैं कि गडकरी साहब बिहार बार-बार आएं। वैसे एमएसएमई के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री अगर चाहे तो हम एक दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक कर सकते हैं या वे समय देते हैं तो बिहार के अधिकारी उनके सामने प्रेजेंटेशन देने जाएंगे। एमएसएमई क्षेत्र के लिए हमने अपनी उद्योग नीति में बड़े बदलाव किए हैं। राज्य में नए उद्योग लगाने में राज्य सरकार हरसंभव मदद करेगी। हमारी पूरी कोशिश है कि किसी को भी रोजगार के लिए मजबूरी में बिहार से बाहर नहीं जाना पड़े।

ये 5 डिमांड

- बक्सर से वाराणसी तक स्ट्रेट-फोरलेन हो
- मोकामा-लखीसराय-मुंगेर (एनएच-80) तक 64 किमी लंबी दो-लेन सड़क को फोरलेन करें
- खगड़िया से पूर्णिया तक की सड़क को फोरलेन में बदला जाए
- मुजफ्फरपुर से बरौनी एनएच-28 को भी फोर लेन किया जाए
- मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा सड़क (एनएच-77) को फोरलेन में बदलें

सर्वाधिक विकास दर वाला है बिहार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पिछले 10 साल से लगातार देश में सबसे अधिक विकास दर वाला राज्य बना हुआ है। राज्य में लोगों की व्यक्तिगत आय भी बढ़ी है। लेकिन, आबादी के कारण हम विकास के मामले में राष्ट्रीय औसत से बिछड़ जाते हैं। देश में प्रति किलोमीटर जनसंख्या घनत्व 300 से कुछ अधिक है जबकि बिहार में यह 1100 से भी अधिक है।

ये 4 पुल बनेंगे

- 1400 करोड़ से 7 किमी लंबा पुल कोसी पर
- 2021 से पहले भोजपुर-बक्सर के बीच गंगा पर नया पुल
- 1100 करोड़ से विक्रमशिला सेतु के समानांतर पुल
- 1900 करोड़ से कटिहार झारखंड को जोड़ने के लिए साहिबगंज में पुल

पटना समेत 40 रिवरपोर्ट बनेंगे, अगली बार गंगा में लैंड करूंगा: केंद्रीय परिवहन मंत्री

गडकरी ने कहा कि बिहार में बड़े पैमाने पर सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राज्य सरकार से अनुरोध है कि वह जमीन के अधिग्रहण में पूरा सहयोग करें। लंबे समय से बिहार नहीं आया। इच्छा है कि अगली बार जब भी बिहार जाऊं तो हवाई जहाज से सीधे गंगा नदी में लैंड करूं। केंद्र ने पटना समेत 40 रिवरपोर्ट बनाने का फैसला लिया है।

कई जगहों पर काम शुरू है। जलमार्ग परिवहन का सबसे सस्ता स्रोत है। अगर सड़क मार्ग से परिवहन पर 10 रुपए और रेल मार्ग से 6 रुपए खर्च होते हैं तो जल मार्ग से लॉजिस्टिक कॉस्ट सिर्फ एक रुपए आएगा। अगर कोयले से बने इथेनॉल का इस्तेमाल किया गया तो यह खर्च सिर्फ 50 पैसे हो जाएगा।